आयोजन समिति

संयोजक

डॉ० अपर्णा मिश्रा

अध्यक्ष, बी०एड्० विभाग, चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी० जी० कॉलेज, गोरखपुर।

डॉ० यशवन्त सिंह राठौर

उप निदेशक, राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर।

समन्वयक

डॉ० रेखा श्रीवास्तव

अध्यक्ष, एम० एड्०, विभाग चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी० जी० कॉलेज, गोरखपुर।

सह समन्वयक

डॉ० ममता तिवारी

असिस्टेण्ट प्रोफेसर, बी०एड्० विभाग, चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी० जी० कॉलेज, गोरखपुर।

आयोजन सचिव

डॉ० इनेन्द्र धर दूबे,

असिस्टेण्ट प्रोफेसर, बी०एड्० विभाग, चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी० जी० कॉलेज, गोरखपुर।

डॉ० विकास कुमार श्रीवास्तव

असिस्टेण्ट प्रोफेसर, बी०एड्० विभाग, चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी० जी० कॉलेज, गोरखपुर।

सदस्यगण

डॉ० म्वजिल पाण्डेय—अध्यक्ष, राजनीति शास्त्र विभाग।
डॉ० प्रीति त्रिपाठी—असिस्टेण्ट प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र विभाग।
डॉ० वीरेन्द्र कुमार गुप्त—असिस्टेण्ट प्रोफेसर, एम० एड्० विभाग।
सुश्री सुमनलता यादव—असिस्टेण्ट प्रोफेसर, बी० एड्० विभाग।
डॉ० निशा श्रीवास्तव—असिस्टेण्ट प्रोफेसर, संगीत विभाग।
श्रीमती देवता पाण्डेय—असिस्टेण्ट प्रोफेसर, एम०एड्० विभाग।
श्रीमती सरीता पाण्डेय—असिस्टेण्ट प्रोफेसर, एम०एड्० विभाग।
डॉ० मधुरिमा तिवारी—असिस्टेण्ट प्रोफेसर, बी०एड्० विभाग।
श्रीमती ऋचा दूबे—असिस्टेण्ट प्रोफेसर, बी० एड्० विभाग।
डॉ० सारिका पाण्डेय—असिस्टेण्ट प्रोफेसर, बी० एड्० विभाग।
डॉ० ज्योत्सना त्रिपाठी—असिस्टेण्ट प्रोफेसर, चित्रकला विभाग।
डॉ० सारिका जायसवाल—असिस्टेण्ट प्रोफेसर, गृहविज्ञान विभाग।
डॉ० अमिता अग्रवाल—असिस्टेण्ट प्रोफेसर, प्राचीन इतिहास विभाग।
डॉ० रेखारानी शर्मा—असिस्टेण्ट प्रोफेसर, चित्रकला विभाग।
डॉ० आस्था प्रकाश—अध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग।
डॉ० शिवानी श्रीवास्तव—असिस्टेण्ट प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विभाग।
सुश्री पूजा गुप्ता—असिस्टेण्ट प्रोफेसर, गृहविज्ञान विभाग।
डॉ० अनिता सिंह—असिस्टेण्ट प्रोफेसर, गृहविज्ञान विभाग।
डॉ० पवन कुमार—असिस्टेण्ट प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विभाग।
डॉ० धीरज कुमार—असिस्टेण्ट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग।

तकनीकी सदस्य

श्रीमती अंजलि शुक्ला—कम्प्यूटर विभाग, चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी० जी० कॉलेज, गोरखपुर।
श्री शंकर थापा—कम्प्यूटर विभाग, चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी० जी० कॉलेज, गोरखपुर।

मुख्य संरक्षक

प्रो० पूनम टंडन

कुलपति, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

श्री मुकेश कुमार मेश्राम

प्रमुख सचिव, संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश।

प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह

कुलपति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, दक्षिणी बिहार।

प्रो० संजीत कुमार गुप्त

कुलपति, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया, उ० प्र०।

परामर्शदायी समिति

डॉ० अश्विनी मिश्र— क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर।
प्रो० शोभा गौड़— अधिष्ठाता एवं अध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग, दी० द० उ० गो० वि० वि० गोरखपुर।
प्रो० सरिता पाण्डेय— शिक्षा संकाय, दी० द० उ० गो० वि० वि० गोरखपुर।
प्रो० सुषमा पाण्डेय— शिक्षा संकाय, दी० द० उ० गो० वि० वि० गोरखपुर।
प्रो० जितेन्द्र मिश्र— विधि विभाग, दी० द० उ० गो० वि० वि० गोरखपुर।
प्रो० शैलजा सिंह— पूर्व अधिष्ठाता एवं अध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग, दी० द० उ० गो० वि० वि० गोरखपुर।
प्रो० नरेश प्रसाद भोक्ता—पूर्व अधिष्ठाता एवं अध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग, दी० द० उ० गो० वि०वि० गोरखपुर।
डॉ० विभाट चन्द्र कौशिक—अध्यक्ष, बी०एड्० विभाग, कुरु पी०जी० कालेज, कुशीनगर एवं दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री।
डॉ० राजशरण शाही—एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विभाग, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर, केन्द्रीय वि०वि०, लखनऊ।
प्रो० बृजेश कुमार पाण्डेय— प्राचार्य, रामजी सहाय पी०जी० कॉलेज, रुद्रपुर, देवरिया।
प्रो० के०डी० तिवारी—अध्यक्ष, बी०एड्० विभाग, बी० आर० डी० पी०जी० कॉलेज, देवरिया।
प्रो० अरुण तिवारी— अध्यक्ष, बी०एड्० विभाग, दिग्विजय नाथ पी०जी० कॉलेज, गो०।
प्रो० कुमुद त्रिपाठी— प्राचार्य, राजकीय डिग्री कॉलेज, सहजनवाँ, गोरखपुर।
प्रो० उमेश यादव— अध्यक्ष, बी०एड्० विभाग, जवाहर लाल नेहरू पी० जी० कॉलेज, महाराजगंज।
डॉ० पूर्णेश नारायण सिंह—अध्यक्ष, बी०एड्० विभाग, हीरालाल पी०जी० कॉलेज, खलीलाबाद।
प्रो० अर्चना मिश्र— अध्यक्ष, बी०एड्० विभाग, रतनसेन डिग्री कॉलेज, बाँसी, सिद्धार्थनगर।

संरक्षक

श्री पुष्पदन्त जैन—अध्यक्ष, प्रबन्ध समिति, चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी० जी० कॉलेज, गोरखपुर एवं दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री
डॉ० मृष्टि ध्वज—निदेशक, उत्तर प्रदेश संग्रहालय, निदेशालय, लखनऊ।
डॉ० विजयलक्ष्मी मिश्रा—प्रबन्धक, चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी० जी० कॉलेज, गोरखपुर
डॉ० सुमन सिंह—प्रचार्य, चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी० जी० कॉलेज, गो०

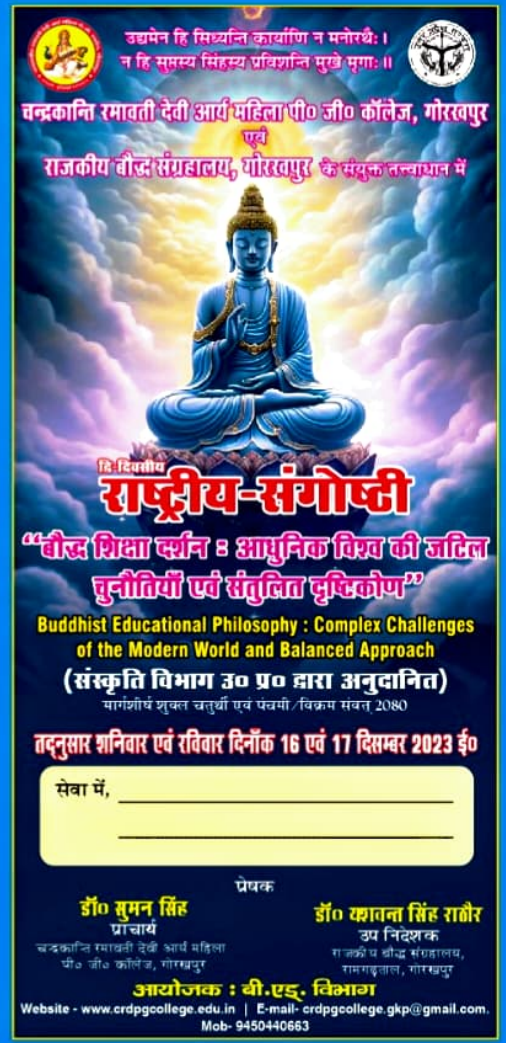

बौद्ध शिक्षा दर्शन : आधुनिक विश्व की जटिल चुनौतियाँ एवं संतुलित दृष्टिकोण

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

आधुनिक विश्व के गतिशील परिदृश्य के बीच बौद्ध शिक्षा दर्शन के सिद्धान्त, संतुलित दृष्टिकोण की वकालत करते हुए जटिल चुनौतियों का समाधान करने हेतु एक आकर्षक रूपरेखा प्रदान करते हैं। बुद्ध की शिक्षाओं पर आधारित यह दर्शन समकालीन समस्याओं से निवारण के लिये आवश्यक स्तम्भों के रूप में अंतर्सम्बंध नैतिक आचरण और आन्तरिक सद्भाव को रेखांकित करता है।

प्रौद्योगिकी के प्रसार, पर्यावरणीय संकट और सामाजिक जटिलताओं के साथ बौद्ध शिक्षा दर्शन के सिद्धान्त जागरुकता, करुणा एवं समग्र विकास को विकसित करने के लिए व्यापक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। आत्म जागरुकता और सहानुभूति के महत्व पर जोर देते हुए यह दर्शन ज्ञान और लचीलेपन के माध्यम से समसामयिक मुद्दों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करता है। पारम्परिक बौद्ध ज्ञान को समकालीन शैक्षिक पद्धतियों के साथ एकीकृत करके, इस दर्शन का उद्देश्य व्यक्तियों को आधुनिक युग की जटिलताओं को उद्देश्य एवं अवबोध के साथ पथ प्रदर्शित करते हुए एक संतुलित दृष्टिकोण एवं आन्तरिक शान्ति को बढ़ावा देने पर जोर देना है।

संगोष्ठी का उद्देश्य —

- छात्रों को गम्भीर चिन्तन के लिये प्रोत्साहित करना।
- सभी जीवित प्राणियों के प्रति करुणा, सहानुभूति समझ एवं परोपकारिता की संस्कृति को बढ़ावा देना।
- ज्ञान से परिपूर्ण सोच को बढ़ावा देना।
- आत्म-जागरुकता एवं आध्यात्मिक विकास द्वारा आंतरिक शान्ति की खोज हेतु मार्गदर्शन करना।
- विश्वस्तरीय अंतर्सम्बन्ध एवं परस्पर निर्भरता की समझ को बढ़ावा देना

शोध पत्र के लिए विषय से सम्बन्धित कतिपय बिन्दुओं को रखा गया है लेकिन इनके अतिरिक्त आप विद्वतजन स्वतंत्र रूप से संगोष्ठी के विषयानुकूल अपनी विशेषता के क्षेत्र का कोई शीर्षक चुन सकते हैं—

- आधुनिक शिक्षा में बौद्ध सिद्धान्तों की प्रासंगिकता एवं प्रयोज्यता।
- आधुनिक शिक्षा प्रणाली में बौद्ध दर्शन के सिद्धान्तों की अनुकूलता का विश्लेषण।
- बौद्ध शिक्षा दर्शन एवं संतुलित दृष्टिकोण
- बौद्ध शिक्षा दर्शन एवं समकालीन चुनौतियाँ
- आधुनिक शिक्षा की चुनौतियाँ एवं बौद्ध दर्शन
- सामाजिक समानता एवं समरसता के परिप्रेक्ष्य में बौद्ध दर्शन एवं विश्व शान्ति।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में बौद्ध दर्शन की प्रासंगिकता।

शोधपत्र —

संगोष्ठी में प्रतिभाग करने वाले विद्वतजन एवं शोधार्थियों से अपेक्षित है कि उपर्युक्त विषय/उप विषय में से किसी एक शीर्षक पर अपना शोध सारांश 300 शब्दों में एवं सम्पूर्ण शोध पत्र हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में अधिकतम 3000 शब्दों में प्रेषित करें। इसे Kurtidev-10 Font size 14 अथवा Times New Roman Font size 12 में भेजा जाना है।

महत्वपूर्ण तिथियाँ

शोध सारांश प्रेषित करने हेतु अंतिम तिथि	पूर्ण शोध-पत्र प्रेषित करने हेतु अंतिम तिथि
14 दिसम्बर 2023	16 दिसम्बर 2023

पंजीकरण शुल्क

विद्यार्थी	-	300/-
शोधार्थी	-	400/-
शिक्षक	-	500/-

शोध पत्र भेजने का पता —

E-mail- draprnamishra760@gmail.com.

चयनित शोध पत्रों को ISBN युक्त पुस्तक में प्रकाशित किया जायेगा।

कार्यक्रम-विवरण

16 दिसम्बर 2023

पंजीकरण	-	प्रात: 8:30 बजे
अल्पाहार	-	प्रात: 8:30 से 9:30 बजे
उद्घाटन	-	प्रात: 10:00 से 11:30 बजे
भोजन	-	अपराह्न 12:00 बजे से 01:00 बजे तक
प्रथम तकनीकी सत्र	-	अपराह्न 01:00 बजे से 02:30 बजे तक
चाय	-	अपराह्न 02:45 से 03:00 तक
द्वितीय तकनीकी सत्र	-	अपराह्न 03:00 से 04:30 तक
चाय	-	अपराह्न 04:30 से 05:00 तक

17 दिसम्बर 2023

अल्पाहार	-	प्रात: 8:30 से 9:30 बजे
तृतीय तकनीकी सत्र	-	प्रात: 10:00 से 11:30 बजे
चाय	-	प्रात: 11:30 से 11:45 तक
चतुर्थ तकनीकी सत्र	-	प्रात: 11:45 से 01:00 बजे तक
भोजन	-	अपराह्न 01:00 से 2:00 तक
समापन समारोह	-	अपराह्न 02:00 से 04:00 तक
चाय	-	अपराह्न 04:00 से 05:00 तक

बौद्ध शिक्षा दर्शन - आधुनिक विश्व की जटिल चुनौतियाँ एवं संतुलित दृष्टिकोण

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक-16-17 दिसम्बर-2023

पंजीकरण फार्म

नाम —

पदनाम —

संस्थान —

मोबाइल नं० —

ई-मेल —

प्रतिभागिता ☐ पेपर प्रस्तुति ☐

पता —

शोध पत्र शीर्षक —

रजिस्ट्रेशन शुल्क — विद्यार्थी— 300 ☐

शोधार्थी— 400 ☐

शिक्षकगण— 500 ☐

दिनाँक— हस्ताक्षर

नोट—इस फार्म की फोटो कॉपी भी स्वीकार की जायगी।

पंजीकरण— ऑन लाइन और ऑफ लाइन दोनों ही सुविधा उपलब्ध है।

ऑन लाइन पंजीकरण हेतु लिंक

https://forms.gle/VZFKg5AEWzDHbmFD9

Bank Detail

A/c Name प्राचार्य, चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर

State Bank of India Alinagar Gorakhpur

Account No.: 10255330104

IFSC - SBIN0002505

GPay No. : 9450440663

पंजीकरण शुल्क जमा करने के उपरान्त प्राप्ति रसीद का स्क्रीन शॉट मो० नं० 9450440663 पर व्हाट्सएप करें।